II mid Term
modal Answers
PME : (301)

MM 15

Government women polytechnic college, Bharatpur.

Q. Quality control से आप क्या समझते है। Quality control एवं Quality assurance में difference बताओ।

उत्तर : "किस्म नियंत्रण" दो शब्द 'किस्म' एवं नियंत्रण का योग है। किस्म का अर्थ उत्पाद में अन्तर्निहित विशेषताओं के संघटन से होता है। इन विशेषताओं में उत्पाद का कड़ापन, मोटापन, शक्ल, उत्पाद तत्व, लम्बाई, चौडाई, रंग, बाहरी दिखावट आदि को सम्मिलित किया जाता है। दूसरे शब्दो में किस्म से आशय ऐसे तत्वों के मिश्रण से है जो क्रय उद्देश्यों या उपभोक्ता अपेक्षाओं को संतुष्ट करने की क्षमता रखते हैं।

नियंत्रण से आशय - वस्तु के निर्धारित गुणो को बनाए रखने से है। इस प्रकार "किस्म नियंत्रण" से तात्पर्य वस्तु या सेवा को निर्धारित किस्म प्रमापों के अनुरूप उत्पादित करने की प्रक्रिया से है। इसके अन्तर्गत वस्तु की वास्तविक किस्म की पूर्व निर्धारित किस्म से तुलना करके विचलनो को दूर किया जाता है ताकि वस्तु की स्वीकरण योग्यता में वृद्धि की जा सके।

परिभाषाऐं - "किस्म नियंत्रण से आशय निर्धारित प्रमापों से विचलनों एवं दोषो के ~~चच~~ पहचान - योग्य कारणों को जानने तथा उन्हें दूर करने से है।"

किस्म नियंत्रण से आशय यह देखने से है कि ग्राहक को वही प्राप्त हो जो वह समझ रहा है।

विशेषताऐं -

1) किस्म नियंत्रण उत्पादन प्रबंध की एक तकनीक है।
2) यह उत्पादों को स्वीकृत स्तर के अनुरूप बनाती है।

3) किस्म नियंत्रण, निरीक्षण से भिन्न है, इसमें निरीक्षण शामिल है।
4) इस तकनीक के द्वारा निर्धारित प्रमापों के अनुसार उत्पादन करने का प्रयास किया जाता है।
5) इसमें घटिया या दोषपूर्ण किस्म के कारणों की खोज कर उन्हे दूर किया जाता है।

उद्देश्य – किस्म नियंत्रण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है –

1) वस्तुओं को निर्धारित प्रमापों के अनुरूप तैयार करना।
2) दोषपूर्ण वस्तुओं की छंटनी करना।
3) व्यवस्थित निरीक्षण के द्वारा श्रेष्ठ उत्पादन हेतु उत्पादन प्रक्रियाओं को सुधारना।
4) लागतों में कमी करना।
5) उत्पाद की स्वीकरण-योग्यता बढ़ाना।
6) कर्मचारियों में किस्म-नियंत्रण के प्रति चेतना जाग्रत करना।
7) वस्तुओ में एकरूपता बनाये रखना।
8) निर्माण के दौरान दोष सुधार हेतु उपाय करना।

Q. 2. ISO क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों हुई, ISO 9000 के बारे में समझाइये।

उत्तर – ISO-9000 :- सम्पूर्ण विश्व में गुणवत्ता (Quality) की महत्ता को देखते हुए विश्व के विभिन्न मानक संस्थानों ने गुणवत्ता के क्षेत्र में विभिन्न मानक तैयार किये हालाकिं इन सब मानकों में से कईयों में समानताएं थी इनमें कुल मिलाकर गुणवत्ता की तस्वीर, अत्यधिक, भ्रांतिम बन गयी। शब्दावली जैसे कि क्वालिटी मैनेजमेंट, क्वालिटी कन्ट्रोल, क्वालिटी सिस्टम, क्वालिटी एश्योरेन्स एवं क्वालि पोलिसी ने एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र के मध्य एक ही राष्ट्र में और बल्कि एक ही उद्योग में भी भिन्न एवं कभी भी परस्पर विरोधी अर्थ उपार्जित कर लिये। इस कारण अन्तर्रा य स्तर पर मानकीकरण की आवश्यकता महसूस की गयी

इसके लिए ISO - 9000 ने कार्य प्रारम्भ किये और 1987 में छः मानक जारी किये। जिनमें से एक मानक शब्दावली एवं पांच मान (जिनको ISO - 9000 श्रेणी के रूप में जाना जाता है) जो कि गुणवत्ता के सन्दर्भ में विभिन्न धारणाओं को स्पष्ट करते है।

Q. 3. Finance Management से क्या तात्पर्य है? इसका उद्देश्य क्या है? Business में इसका महत्व क्या है?

उत्तर - "वित्तीय प्रबन्ध, व्यावसायिक प्रबन्ध का वह क्षेत्र है जो पूँजी के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पूँजी स्त्रोतों का सतर्कतापूर्वक चयन करने से सम्बन्धित है जिससे खर्च करने वाली इकाई अपने लक्ष्य की पूर्ति में आगे बढ सके।" — ब्रेडले के अनुसार

"वित्तीय प्रबन्ध, नियोजन तथा नियन्त्रण के कार्यों को वित्त कार्य पर लागू करना है।" — हार्वड तथा उपटन

निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि - वित्तीय प्रबन्ध से आशय उन समस्त क्रियाओं से है जो व्यवसाय के लिए आवश्यक वित्त के नियोजन, संग्रह, आंवटन, नियन्त्रण तथा प्रशासन के लिए की जाती है।

objectives of Financial Management (वित्तीय प्रबन्ध के उद्देश्य) :-

वित्तीय प्रबन्ध के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है :-

I) उपक्रम की सभी प्रकार की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन सुलभ कराना।

II) उपक्रम के लिए पर्याप्त धन न्युनतम लागत पर जुटाना।

iii) उपक्रम के पास में उपलब्ध धन का कुशलतम व लाभप्रद उपयोग कराना।